Nai Dunia (Indore), 29th August 2020, Page-5

आइआइटी इंदौर में शुरू हुआ संस्कृत भाषा का पाठ्यक्रम

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर ने शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों कां मूल रूप में अध्ययन कराने के लिए संस्कृत भाषा का शॉर्ट पाठ्यक्रम शुरू किया है। इसकी शुरुआत 22 अगस्त से हो चुकी है।

2 अक्टूबर तक चलने वाले इस पाठ्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में संस्कृत भाषा को समझने पर जोर दिया गया है। इसमें कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने के बारे में बताया जा रहा है। दूसरे भाग में प्रतिभागियों को संस्कृत में तकनीकी विषयों पर चर्चा करने में सक्षम बनाया जाएगा। इसमें जाने-माने विशेषज्ञों के शास्त्रीय पाठ शामिल हैं। पाठ्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों को संस्कृत भाषा में चर्चा अनिवार्य रूप से करनी होगी। इसके बाद ही संस्थान द्वारा पाठ्यक्रम का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। संस्थान प्रतिभागियों का मूल्यांकन करने के लिए योग्यता परीक्षा भी आयोजित करेगा। संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. निलेश कुमार जैन ने बताया संस्कृत एक प्राचीन भाषा है, जो अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अपना स्थान बना रही है। पाठ्यक्रम में संस्कृत को तकनीकी से जोड़कर बताया जा रहा है। आइआइटी इंदौर के बायो साइंसेस एंड बायो मेडिकल इंजीनियरिंग के प्रो. डॉ. जीएस मूर्ति संस्कृत पाठ्यक्रम के समन्वयक हैं। उन्होंने बताया कि अधिकांश पारंपरिक ग्रंथ संस्कृत भाषा में हैं इसलिए उन्हें समझने के लिए संस्कृत भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है।